कुंजी

DATE 2.5.24
PAGE No. 1

टेंडर हार्ट हाई स्कूल सेक्टर 33-बी, चंडीगढ़

कक्षा - चौथी शिक्षिकाएँ - रोमा रानी, सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-1 चिड़िया का गीत)

पुस्तक - नवतरंग - 4

पाठ बोध

1. प्रश्नों के उत्तर शब्दों में लिखें -
(क) जन्म के समय चिड़िया को संसार अंडे जितना लगा।
(ख) पेड़ की शाखाएँ सुकुमार थीं।
(ग) आखिर में चिड़िया आसमान में गई।
(घ) चिड़िया पंख पसारकर उड़ी।

2. प्रश्नों के उत्तर वाक्यों में लिखें -
(क) निम्नलिखित भाव वाली कविता की चार पंक्तियाँ लिखें -
चिड़िया घोंसले को ही अपना संसार समझती थी।

फिर मेरा घर बना घोंसला,
सूखे तिनकों से तैयार।
तब मैं यही समझती थी बस,
इतना-सा ही है संसार।

चिड़िया ने घोंसले से बाहर की दुनिया देखी नहीं थी, इसलिए वह घोंसले को ही अपना संसार समझती थी।

(ख) चिड़िया को अंत में क्या समझ में आया और कैसे?
अंत में जब चिड़िया पंख पसारकर (फैलाकर) खुले आकाश में उड़ी तब उसे समझ में आया कि संसार तो बहुत बड़ा है। इसका मतलब यह है कि जब तक हम एक छोटे समाज, घर, विद्यालय तक सीमित रहते हैं तो हमारे ज्ञान का दायरा भी उतना ही सीमित रहता है। लेकिन जब हम नौकरी करने के लिए घर से बाहर जाते हैं तब पता चलता है कि संसार बहुत

(पृष्ठ-1)

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

कुंजी

कक्षा- चौथी शिक्षिकाएँ – रेखा रानी, सुमन शर्मा
विषय – हिंदी साहित्य (पाठ-1 चिड़िया का गीत)

बड़ा है। हम समाज में एक-दूसरे के साथ मिलते हैं, बात करते हैं। इससे हमारे ज्ञान और अनुभव में वृद्धि होती रहती है।

भाषा तरु पृष्ठ-7-8 के प्रश्न-1 से 7 तक सभी बच्चे अपनी पुस्तक पर ही लिखेंगे।

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner